राजस्थान के उत्सव, त्यौहार व मेले

- हिन्दी महिनों का वह युग्म जिस से राजस्थान में त्यौहारों की शुरूआत व समापन माना जाता है?
  (1) श्रावण चैत्र (2) चैत्र-फाल्गुन
  (3) ज्येष्ठ-फाल्गुन (4) चैत्र-कार्तिक (1)

व्याख्या–राजस्थान में छोटी तीज (श्रावण शुक्ल तृतीय) से त्यौंहारों का आगमन माना जाता है जबकि चैत्र माह में मनाया जाने वाला गणगौर त्यौंहार से त्यौंहारों का अंत माना जाता है।

- गणगौर त्यौंहार कब आता है?
  (1) चैत्र कृष्णा तृतीया (2) चैत्र शुक्ल तृतीया
  (3) वैशाख शुक्ल तृतीया (4) श्रावण शुक्ल तृतीया (2)

व्याख्या–गणगौर का त्यौंहार लगभग 18 दिन तक (चैत्र कृष्ण एकम से शुरू होकर चैत्र शुक्ल तृतीया) तक चलता है।

- 'गण अर्थात् शिव' और गौर अर्थात् गौरी (पार्वती)
- राजस्थान में जयपुर की गणगौर प्रसिद्ध है।
- राजस्थान में नाथद्वारा क्षेत्र में चैत्र शुक्ल पंचमी को गुलाबी गणगौर मनाई जाती है।

- ईसर व गणगौर को किसका रूप माना जाता है?
  (1) राम-सीता (2) विष्णु-लक्ष्मी
  (3) शिव-पार्वती (4) कृष्ण-राधा (3)
- जेम्स टॉड ने कहां की गणगौर सवारी का वर्णन अपने ग्रंथों में किया?
  (1) जयपुर (2) जोधपुर
  (3) उदयपुर (4) कोटा (3)
- राजस्थान में त्यौंहारों की शुरूआत होती है?
  (1) छोटी तीज (2) बड़ी तीज
  (3) गणगौर (4) रक्षाबंधन (1)

व्याख्या–छोटी तीज या हरियाली तीज श्रावण शुक्ल तृतीया को मनायी जाती है।

- छोटी तीज जयपुर की प्रसिद्ध है। इस दिन जयपुर में तीज की सवारी निकाली जाती है।
- नवविवाहिताएं अपना पहला सावन पीहर में मनाती है।

- तीज का त्यौंहार मुख्य रूप से कहां मनाया जाता है?
  (1) जयपुर (2) जोधपुर
  (3) भीलवाड़ा (4) बूँदी (1)
- बड़ी तीज कहाँ की प्रसिद्ध है?
  (1) जयपुर (2) जोधपुर
  (3) कोटा (4) बूँदी (4)

व्याख्या–बड़ी तीज का त्यौंहार भाद्रपद कृष्ण तृतीया को मनाया जाता है।

- इसे कजली, तीज, सातुड़ी तीज व बूढ़ी तीज भी कहते हैं।
- इसे कजली तीज के दिन बूँदी में मेला लगता है।
- बूंदी में तीज का जुलूस नवल सागर से कुंभा स्टेडियम तक निकाला जाता है।

- होली का त्यौंहार कब मनाया जाता है?
  (1) चैत्र पूर्णिमा (2) फाल्गुन पूर्णिमा
  (3) कार्तिक पूर्णिमा (4) ज्येष्ठ पूर्णिमा (2)
- निम्नलिखित में से असुमेलित है?
  (1) कोडामार होली – भिनाय-अजमेर
  (2) लठमार होली – महावीरजी-करौली
  (3) पत्थरमाल होली – बाड़मेर
  (4) सभी कथन सुमेलित है। (4)

व्याख्या–कोटा के आवां व सांगोद कस्बों में न्हाण का आयोजन होता है।

- राजस्थान के किस क्षेत्र में आदिवासियों द्वारा भगौरिया खेला जाता है?
  (1) मारवाड़ (2) हाड़ौती
  (3) मेवाड़ (4) ढूँढाड़ (3)

व्याख्या–मेवाड़, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा व दक्षिणी राजस्थान में आदिवासी लोगों में भगौरिया खेला जाता है।

- किस त्योहार के अवसर पर जयपुर में 'जन्म, मरण और परण' का आयोजन किया जाता है?
  (1) गणगौर (2) करवा चौथ
  (3) होली (4) दीपावली (3)

परीक्षा दृष्टि

★ रामदेव पशु मेला -**मानासर गाँव में लगता है।**

★ कार्तिक महीने में चन्द्रभागा का पशुमेला कहाँ आयोजित होता है? – **झालरापाटन**

★ सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाने वाली पहली राजपूत रियासत कौनसी थी? – **बूँदी**

★ तेजाजी मेले का आयोजन किया जाता है?– **परबतसर (नागौर)**

★ सीताबाड़ी का मेला लगता है? – **बारां**

★ वीर तेजाजी पशु मेला आयोजित होता है– – **परबतसर में**

★ कौनसा मेला वर्ष में दो बार आयोजित होता है– **जीणमाता मेला**

★ जाम्भेश्वर, जीणमाताजी, बैणेश्वर व महावीर जी में से कौनसा एक मेला बीकानेर में लगता है– – **जाम्भेश्वर**

★ श्री बलदेव पशु मेला कहाँ लगता है– – **मेड़ता सिटी**

★ प्रसिद्ध राम देवजी का मेला लगता है–– **रूणेचा (रामदेवरा) में**

★ गोगामेड़ी, कैला देवी, पुष्कर और सीतामाता में से राजस्थान का कौनसा मेला लक्खी मेले के रूप में प्रसिद्ध है–– **कैलादेवी मेला (करौली)**

★ तारकीन का उर्स मेला लगता है– – **नागौर**

★ बेणेश्वर मेला-डूँगरपुर, बादशाह मेला-ब्यावर, मरु महोत्सव-बाड़मेर और गौतमेश्वर का मेला - सिरोही निम्न में से कौनसा एक गलत युग्म है– – **मरू महोत्सव - बाड़मेर**

★ घोटिया अम्बा मेला कहाँ भरता है– – **बाँसवाड़ा**

★ आदिवासियों में वर पक्ष द्वारा वधू के पिता को वधू मूल्य के रूप में धन देने की प्रथा कहलाती है – **दापा**

★ वयोवृद्धों के देहावसान पर श्मशान ले जाते समय रास्ते में अर्थी पर पैसे फेंके जाते हैं, उसे कहते हैं– – **बिखेर/बखेर**

★ 'मौसर' क्या है– – **राजस्थान में मृत्युभोज की प्रथा**

★ वह संस्कार, जो बालक को विद्यारम्भ हेतु गुरु के पास ले जाने के समय किया जाता है– – **यज्ञोपवीत संस्कार**

★ धींगागवर बेंतमार मेला कब और कहाँ लगता है– – **वैशाख कृष्णा तृतीया, जोधपुर में**

★ दीपदान के लिए कोलायत भी प्रसिद्ध है।

☛ **निम्न में से असंगत को पहचानिये-**

(1) खाटूश्याम जी का मेला -सीकर
(2) भृर्तहरि का मेला - अलवर
(3) दोनों असगंत है।
(4) दोनों सगंत है। (4)

व्याख्या–खाटूश्यामजी में बर्बरीक के शीश की पूजा श्याम रूप में होती है। इन्हें शीश का दानी कहा जाता है। फाल्गुन शुक्ला दशमी से द्वादशी तक मेला भरता है।

- अलवर में भृर्तहरि नामक स्थान पर वर्ष में दो बार वैशाख और भाद्रपद माह में मेला भरता है।
- राजा भृर्तहरि व पिंगला की कहानी का संबंध यहाँ से है।
- यहाँ हजारों की संख्या में कनफटे साधू आते है। इसलिये इसे कनफटे नाथों का कुंभ कहा जाता है।
- कनफटे साधू हाथों में चिमटा, कमण्डल, शरीर पर राख लपेटे, लम्बी जटाएँ व लम्बी दाढ़ी धारण करते है।

☛ **जीण माता का मंदिर कहाँ स्थित है?**

(1) रेवासा (सीकर)
(2) बिलाड़ा (जोधपुर)
(3) शिवाड़ (सवाईमाधोपुर)
(4) भोपालगढ़ (जोधपुर) (1)

व्याख्या–मंदिर निर्माण–1121 में मोहिल के हट्टड़ के द्वारा अष्टभुजी प्रतिमा।

☛ **''जयपुर से करीब 75 किमी. दूर टोंक जिले की मालपुरा तहसील में डिग्गीपुरी में भगवान.......... के स्वरूप कल्याण जी का मेला लगता है।'' खाली स्थान के लिये उपयुक्त शब्द है–**

(1) शिव (2) विष्णु
(3) राम (4) लक्ष्मण (2)

व्याख्या–मेला–'श्रावण की अमावस्या'

- **अप्सरा उर्वशी व राजा डिग्व की कथा**- राजा इन्द्र द्वारा अप्सरा उर्वशी से नाराज होने पर उर्वशी को 12 वर्ष मृत्युलोक में रहने की सजा दी। उर्वशी घोड़ी का रूप धारण कर चन्द्रगिरी के राजा के उद्यान में चरा करती थी। जब चन्द्रगिरी के राजा डिग्व ने इसे पकड़ने का प्रयास किया तो घोड़ी ने सुंदर स्त्री का रूप धारण कर लिया जिससे राजा डिग्व इस पर मोहित हो महल ले जाने को आतुर हुए। उर्वशी ने शर्त रखी कि 12 वर्ष पूरे होने पर इन्द्र से बचाना होगा अन्यथा वह श्राप दे देगी। 12 वर्ष पूरे होने पर इन्द्र ने विष्णु भगवान की मदद से राजा डिग्व को हरा उर्वशी को ले गये। जिससे उर्वशी ने राजा डिग्व को कोढ़ी हो जाने का श्राप दिया लेकिन विष्णु जी को राजा पर दया आयी व इसका निवारण बताया। कालान्तर में भगवान विष्णु की एक प्रतिमा समुद्र में बहती हुई आई जिसके दर्शन मात्र से राजा का कोढ़ ठीक हो गया। भगवान विष्णु द्वारा राजा के कुष्ठ रोग के निवारण के कारण मंदिर का नाम डिग्गी कल्याण जी पड़ा। आज भी यहाँ कुष्ट रोग के ठीक होने की मान्यता है।

- **राजस्थान में बाल विवाह सर्वाधिक कब होते हैं?**
  (1) अक्षय तृतीया (2) गणगौर
  (3) होली (4) दीपावली (1)

व्याख्या–वैशाख शुक्ल तृतीया को आता है। इसे 'अबूझ सावे' भी कहा जाता है। बीकानेर की स्थापना इस दिन हुई। आखा तीज के दिन सात अन्नों की पूजा की जाती है। इस दिन गुड़ की गलवाणी (खाटा, राब), गेहूँ- बाजरे का खींच, ग्वारफली, मंगोड़ी की सब्जी बनाई जाती है।

- **जैन समाज के किस उत्सव का अंतिम दिन संवत्सरी कहलाता है?**
  (1) पर्युषण (2) ईस्टर
  (3) गुड फ्राइडे (4) इदुलजुहा (1)

व्याख्या–यह जैनों का सबसे पवित्र व महत्वपूर्ण उत्सव है जो भाद्रपद में आता है। **ध्यान रहे** - अश्विन कृष्ण एकम को क्षमापणी पर्व सभी श्रावक 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहकर एक दूसरे से क्षमा याचना करते है।

- **जिल हिज्ज की दसवीं तारीख को इब्राहम द्वारा अपने प्रिय पुत्र इस्माइल की कुर्बानी की याद में मनाया जाने वाला त्यौंहार कौनसा है–**
  (1) पर्यूषण (2) इदुलजुहा (बकरा ईद)
  (3) ईस्टर (4) गुड फ्राइडे (2)
- **किस महीने के अंतिम दिन मोहम्मद साहब के नाती हुसैन इमाम के कुर्बानी के उपलक्ष में ताजिए निकाले जाते हैं–**
  (1) क्रिसमस डे (2) इदुलजुहा
  (3) मोहर्रम (4) बारहवफात (3)
- **असुमेलित कथन पहचानिए?**
  (1) रक्षाबंधन – श्रावण पूर्णिमा
  (2) जन्माष्टमी – भाद्रपद कृष्ण अष्टमी
  (3) गणेश चतुर्थी – भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी
  (4) नागपंचमी – श्रावण शुक्ल पंचमी (4)
- **रमजान समाप्ति का दिन कहलाता है?**
  (1) इदुल फित्तर (2) इदुलजुहा
  (3) मुहर्रम (4) बारहवफात (1)

व्याख्या–मुस्लिम सम्प्रदाय के लोगों द्वारा मुहम्मद साहब के जन्म-मरण की स्मृति में बारावफात त्यौहार मनाया जाता है। शबेरात का त्यौहार खुशी के रूप में मनाया जाता है। कहते है इस दिन मानव के कर्मों के आधार पर भाग्य निर्धारण किया जाता है।

- **असत्य कथन को छाँटिए–**
  (1) करवा चौथ – कार्तिक कृष्ण चतुर्थी
  (2) धींगा गवर – वैशाख कृष्ण तृतीया
  (3) हरियाली अमावस्या – श्रावण अमावस्या
  (4) हनुमान जयंती – चैत्र अमावस्या (4)
- **असत्य कथन को पहचानिए?**
  (1) रामदेव जयंती–भाद्रपद शुक्ल द्वितीया
  (2) बच्छ बारस–भाद्रपद कृष्ण द्वादशी
  (3) पीपल पूर्णिमा–वैशाखा अमावस्या
  (4) देवशयनी एकादशी– आषाढ़ शुक्ल एकादशी (3)

व्याख्या– पीपल पूर्णिमा – वैशाखा पूर्णिमा
बसंत पंचमी – माघ शुक्ल पंचमी

- **निम्नलिखित में से गलत युग्म पहचानिए?**
  (1) पुष्करजी का मेला – अजमेर
  (2) सिवाड़ शिवरात्रि मेला – सवाईमाधोपुर
  (3) सालासर हनुमानजी मेला – चूरू
  (4) दधिमती माता का मेला – जोधपुर (4)

व्याख्या–दधिमती माता का मेला–गोठ मांगलोद (नागौर)।

- **"शीश के दानी" खाटूश्याम जी का मेला कौन-से माह में लगता है?**
  (1) फाल्गुन (2) चैत्र
  (3) कार्तिक (4) ज्येष्ठ (1)
- **निम्नलिखित में से गलत युग्म छाँटिए–**
  (1) चारभुजा का मेला – राजसमंद
  (2) कैलादेवी का मेला – करौली
  (3) भर्तहरि का मेला – अलवर
  (4) धुलेव का केसरिया मेला – नागौर (4)
- **निम्नलिखित में से सत्य युग्म में छाँटिए–**
  (1) बेणेश्वर मेला – डूँगरपुर (माघ पूर्णिमा)
  (2) सीताबाड़ी मेला – बाराँ
  (3) बादशाह मेला – ब्यावर
  (4) उपर्युक्त सभी (4)
- **पूरे विश्व में सर्वप्रथम ब्रह्माजी का मंदिर कहा बनाया गया?**
  (1) पुष्कर (2) ब्यावर
  (3) मेड़ता (4) बिलाड़ा (1)

व्याख्या–मंदिर के पीछे की पहाड़ियों पर सावित्री माता का मंदिर है।

- कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है।
- ब्रह्मा जी द्वारा कमल के पुष्प से विज्रनाथ राक्षश के वध की कथा का सम्बंध पुष्कर से ही है। कमल की पंखुड़ियों से ज्येष्ठ, मध्यम व कनिष्ठ पुष्कर का निर्माण हुआ। इसके बाद ब्रह्मजी ने यहाँ कार्तिक मास में यज्ञ भी किया।

- श्री महावीरजी का मेला किस जिले में आयोजित होता है?

(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) करौली (4) अजमेर (3)

व्याख्या–मेला–चैत्र शुक्ल त्रयोदशी से वैशाख कृष्ण प्रतिपदा तक लक्खी मेला भरता है।

- गम्भीरी नदी के किनारे।
- किरपादास चर्मकार द्वारा अपनी गाय को ढूंढते हुए गहरे लाल रंग की महावीर जी की बड़ी प्रतिमा को ढूंढने के कारण आज भी मेले के शुभारंभ में रथयात्रा से पूर्व चर्मकार किरपादास के वंशजों का हाथ लगवाने की परम्परा है।
- इस मूर्ति को बसवा के जैन अमरचंद बिलाला ने पहचाना व मंदिर निर्माण के लिये बड़ी धनराशि दी।

- "चूहों की देवी" के रूप में प्रसिद्ध माता–

(1) आई माता (2) चामुंडा माता
(3) करणी माता (4) ज्वाला माता (3)

व्याख्या–मेला–चैत्र नवरात्र, आश्विन नवरात्र, मंदिर बीकानेर।

- शीतला माता का मेला कहाँ भरता है?

(1) चाकसू (जयपुर) (2) साँभर (जयपुर)
(3) ब्यावर (अजमेर) (4) बिलाड़ा (जोधपुर) (1)

व्याख्या–मंदिर निर्माण–माधोसिंह।

- शीतला माता के उत्तर भारत में 'महामाई', पश्चिम भारत में 'माई अनामा', राजस्थान में सेढ़, शीतला, सेढ़ल माता के रूप में जाना जाता है।
- चैत्र कृष्ण सप्तमी/ अष्टमी को इसका मेला भरता है।

- रंग बिरंगी बैलगाड़ियों के कारण किसका मेला "बैलगाड़ी मेले" के रूप में प्रसिद्ध है?

(1) शीतला माता (2) गोगाजी
(3) करणी माता (4) हडबूजी (1)

व्याख्या–माता की रूष्टता के कारण चेचक प्रकोप होता है।

- कैलादेवी का मेला कहाँ लगता है–

(1) करौली (2) भरतपुर
(3) अलवर (4) माधोपुर (1)

व्याख्या–पर्वत–त्रिकुट

- लांगुरिया–गीत इसी देवी से संबंधित है।
- इस मंदिर में दो मूर्तियां है।
- दांयी तरफ कैला माता व बांयी तरफ चामुंडा माता की। कैलामैया को योगमाया का अवतार माना जाता है।

- कोलायत बीकानेर में कपिल मुनि का मेला कब भरता है–

(1) श्रावण पूर्णिमा (2) कार्तिक पूर्णिमा
(3) चैत्र पूर्णिमा (4) भाद्रपद पूर्णिमा (2)

व्याख्या–ब्रह्मा के पुत्र महर्षि कर्दन का विवाह मनु की पुत्री से हुआ जिनसे कपिल मुनि का जन्म हुआ। कपिल मुनि की आत्मा का एक भाग नखलिस्तान / कपिलस्तान पर तपस्या करने लगा, जिसे देवताओं ने ईर्ष्यावश रेगिस्तान में छिपा दिया। स्कंद पुराण के अनुसार शिव पार्वती पुत्र स्कंददेव ने इसे फिर से खोजा।

- भारत में चिश्ती सम्प्रदाय की शुरूआत कब से मानी जाती है?

(1) 1191 ई. (2) 1527 ई.
(3) 1192 ई. (4) 1526 ई. (3)

व्याख्या–

- उर्स अजमेर
- गरीब नवाज के नाम से जाना जाता है।
- रजब माह की पहली से छठी तारीख तक अजमेर में उर्स लगता है।
- उर्स के दौरान अकबर और जहाँगीर द्वारा क्रमशः प्रदत बड़ी देश व छोटी देश में चावल पकाकर प्रसाद बाँटा जाता है।

- दाऊदी बोहरा संप्रदाय का प्रमुख आस्था केन्द्र है?

(1) अजमेर (2) नागौर
(3) जालोर (4) गलियाकोट (डूँगरपुर) (4)

व्याख्या–

यहाँ संत सैयद फखरूद्दीन की मजार है।
इसे मजार-ए-फखरी भी कहते हैं।

- निम्न में से कौन-सा मेला आदिवासियों के कुम्भ के नाम से जाना जाता है?

(1) बेणेश्वर मेला (2) कोलायत मेला
(3) पुष्कर मेला (4) गौतमेश्वर मेला (1)

व्याख्या–मेला माघ पूर्णिमा को। इसके बारे में मान्यता है कि एक गाय यहाँ के स्वयभू शिवलिंग पर अपना दूध चढ़ाती थी, एक दिन ग्वाला पीछा करते हुए आया तो गाय भागने लगी जिससे शिवलिंग पांच जगह से खण्डित हो गया फिर भी इसकी पूजा की जाती है।

- खलकाणी माता गर्दभ मेले का सम्बन्ध कहाँ से है?

(1) चाकसू (जयपुर) (2) भावगढ़ बंध्या गाँव (जयपुर)
(3) ब्यावर (अजमेर) (4) लाखेरी (बूँदी) (2)

व्याख्या–इस मेले की शुरूआत 500 वर्ष पूर्व कच्छवाहों द्वारा चन्द्रा मीणा को हराने की खुशी में किया जाता है।

परीक्षा दृष्टि

★ मेड़ता का बलदेव पशु मेला लगता है– – **चैत्र एकम् से पूर्णिमा तक**

★ किस शासक के शासनकाल में कोटा में दशहरा मेला लगना प्रारम्भ हुआ– – **माधोसिंह**

★ गौना रस्म किससे सम्बन्धित है– – **विवाह से**

★ फूलडोल उत्सव मनाया जाता है– – **रामस्नेही पंथ द्वारा**

★ कपिल मुनि का मेला लगता है– – **कोलायत में**

★ भगवान शिव को समर्पित 'शिवाड़' के मेले का आयोजन राजस्थान के किस जिले में होता है – **सवाई माधोपुर**

★ राजस्थान के किस जिले में राज्य सरकार सर्वाधिक पशु मेलों का आयोजन करती है? – **नागौर**

★ 'आदिवासियों का कुम्भ' कहाँ लगता है– – **डूँगरपुर जिले में**

★ केलादेवी का मेला कब लगता है – **चैत्र शुक्ला पक्ष**

★ रणथम्भौर का प्रसिद्ध मेला आयोजित होता है– – **भादपद शुक्ल चतुर्थी को**

★ अजमेर जिले का कौनसा स्थान 'कोड़ामार होली' उत्सव हेतु प्रसिद्ध है– – **भिनाय**

★ राजस्थान में कपिल मुनि का मेला कोलायत में कब भरता है– – **कार्तिक पूर्णिमा को**

★ जौहर मेला कहाँ भरता है– – **चित्तौड़गढ़**

★ गोगामेड़ी पशु मेला कहाँ भरता है– – **हनुमानगढ़**

★ 'बढ़ार' का भोज किस मौके पर रखा जाता है – **विवाह**

★ बेटी का पहला प्रसव होने पर उसके पीहर वालों द्वारा जंवाई व उसके साथियों को भेंट देना कहलाता है– – **कोथला**

★ राजस्थान के किन दो स्थानों पर नागौरी बैलों का व्यापार होता है– – **परबतसर, मेड़ता**

★ बादशाह का मेला भरता है– – **ब्यावर में**

★ तेजा दशमी को वीर तेजाजी का मेला लगता है, तेजा दशमी आती है– – **भाद्र शुक्ल दशमी को**

★ नोहर तहसील में कौनसा प्रसिद्ध मेला भरता है– **गोगाजी का मेला**

★ राजस्थान में त्याग प्रथा का संबंध जिस वर्ग के समाज से है, वह है– – **क्षत्रिय समाज**

★ किस शहर का संबंध शेखावाटी उत्सव से है – **नवलगढ़**

☛ **राजस्थान में धींगा गवर गणगौर के लिये जाना जाता है?**

(1) जयपुर (2) उदयपुर
(3) जैसलमेर (4) बाड़मेर (2)

व्याख्या–बिना ईसर की गणगौर की पूजा जैसलमेर में की जाती है। राव सातल की मृत्यु गणगौर के दिन हुई।

☛ **असंगत युग्म छाँटिए–**

(1) दशहरा मेला – कोटा
(2) अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव – जयपुर
(3) आभानेरी उत्सव – भरतपुर
(4) थार महोत्सव – बाड़मेर (3)

व्याख्या–आभानेरी उत्सव–दौसा।

☛ **असंगत युग्म को छाँटिए–**

(1) जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल – जयपुर
(2) रणकपुर उत्सव गोडवाड मेला – पाली
(3) ग्रीष्म व शरद समारोह – माउन्ट आबू
(4) मेवाड़ समारोह – जयपुर (4)

व्याख्या–मेवाड़ समारोह 'उदयपुर'

☛ **असंगम युग्म छाँटिए–**

(1) धुलण्डी उत्सव, हाथी महोत्सव – जयपुर
(2) ऊँट उत्सव – बीकानेर
(3) मरू महोत्सव – जैसलमेर
(4) मारवाड़ (महोत्सव) उत्सव – सिरोही (4)

व्याख्या–मारवाड़ उत्सव–जोधपुर

☛ **असंगत युग्म को छाँटिए–**

(1) मीरा महोत्सव – चित्तौड़गढ़
(2) मत्स्य उत्सव – अलवर
(3) चंद्रभागा मेला – झालावाड़
(4) सभी कथन सत्य है। (4)

☛ **निम्न में से कौन-सा त्योहार पारसियो से सम्बन्धित है?**

(1) गुड फ्राइडे (2) क्रिसमस
(3) ईस्टर (4) नौरोज (4)

☛ **असंगत युग्म पहचानिए–**

(1) कल्याणजी – डिग्गी
(2) कपिल मुनि – कोलायत
(3) महावीरजी – करौली
(4) करणी माता – बिलाड़ा (4)

व्याख्या–'करणी माता–देशनोक'।

☛ **जोधपुर में मनाया जाने वाला घुड़ला त्यौहार से सम्बन्धित है?**

(1) चैत्र कृष्ण अष्टमी (2) कार्तिक कृष्ण अष्टमी
(3) आषाढ़ कृष्ण अष्टमी (4) कार्तिक शुक्ल अष्टमी (1)

राजस्थान की हर प्रतियोगी परीक्षा हेतु उपयोगी

❖ राजस्थान सामान्य ज्ञान के नोट्स डाउनलोड करने के लिए नीचे दिए गए इमेज पर क्लिक करें --

❖ राजस्थान की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण नोट्स Free डाउनलोड :-

❖ राजस्थान कला एवं संस्कृति, भूगोल, इतिहास सभी के नोट्स Free डाउनलोड करने का एकमात्र Google वेबसाइट :- *Rajasthanclasses.in*

Rajasthanclasses.in

हर भर्ती की न्यूज सबसे पहले..

यहां उपलब्ध रहेगी

Latest News : Get Link

अन्य किसी भी प्रकार की PDF's के लिए

गूगल सर्च करें या क्लिक करें

Google

rajasthanclasses.in

Telegram

चैनल

ज्वॉइन करें

YouTube पर

ऑनलाइन क्लासेज भी देखें

हिंदी व्याकरण GK
महत्वपूर्ण प्रश्नों की PDF
PDF : Get Link

भारत सामान्य ज्ञान
महत्वपूर्ण प्रश्नों की PDF
PDF : Get Link

विज्ञान सामान्य ज्ञान
महत्वपूर्ण प्रश्नों की PDF
PDF : Get Link

राजस्थान GK 2025
महत्वपूर्ण प्रश्नों की PDF
PDF : Get Link

राजस्थान GK 2025
नोट्स PDF ....
PDF : Get Link

Click Here : Get More PDF